Glimpses of State Level Stakeholder's Consultation at Jaipur





Media Coverage

हर महिला को वित्तीय साक्षर बनकर बैंकिग योजनाओं का लाभ लेना जरूरी वित्तीय साक्षरता पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित है और 45 दिन के भीतर उसने ए ज्य में अग्रणी जिला प्रबन्धक एस.के

जयपुर मिड-डे टाइम्स

चित्तौड़गढ़। महिलाएं सरकारी एवं गैर सरकारी वित्तीय संस्थाओं की रव गर सरफार विश्वाम समिनिर्भर बने, योजनाओं से जुडकर आत्मनिर्भर बने, आज के युग में बैकिंग एक बुनियादी सेवा के रूप में विकसीत हो रही है। हर महिला को वित्तीय साक्षर होना जरूरी है उक्त विचार जिला रसद अधिकारी कुमारी बिजल सुराणा ने कट्स मानव विकास केन्द्र द्वारा शुक्रवार को किसान भवन के सभागार में आयोजि वित्तीय उपभोक्ता संरक्षण परियोजना के अन्तंगत जिला स्तरीय हितधारक एवं वित्तीय परामर्ष कार्यषाला में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। कट्स



मेन्दीरत्ता ने बताया कि परिवार के प्रत्येक सदस्य को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा अटल पेंघन योजना से जुडना चाहिए एवं महिलाएं स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम से जुड कर बचत करने की आदत विकसित करने पर जोर दिया।

बीआरकेजी बैंक के एफएलस

बार कार्ड का उपयोग किया हो सरकार उसे 2 लाख तक का मुआवर टेती है इस तरह अटल पेंघन योजना 60 वर्ष की उम्र के पश्चात् 1000 5000 तक की पेंधन परिवार का के भी सदस्य जो 18 वर्ष से अधिक व हो, फायदा ले सकता है। इस अवसर भारत सरकार

उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिव जिला स्तरीय कार्यशाला में वित्तीय योजनाओं से वितरण मंत्रालय दिल्ली के प्रतिनिधि

चित्तौड़ज़ढ़। कार्यशाला में मंचासीन अतिथिगण ।

हर महिला का वित्तीय साक्षर होना जरूरी चित्तौड़गढ़। महिलाएं सरकारी सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के एवं गैर सरकारी वित्तीय संस्थाओं की

वताया कि भारत सख

मामले खाद्य एवं सा

मंत्रालय के सहयो

विनीय उपभोक्ता संर नहत जिला स्त



योजना से जुड़ने की बात कही। ाया कि कार्यशाला में अनुभव साझा किए। कोओडिनेटर अरविंद पुरोहित ने बीआरकेजी बैंक के एफएलसी बैंक योजनाओं की जानकारी दी ने प्रधानमंत्री जीवन केंद्र सरका

कुमार ने महिलाओं को शिक्षित और जागकर ने शिक्षित और जागरूक होकर डिजिटल सेवाओं से जुड़ने की बात कही। कट्स जयपुर के सहायक निर्देशक दीपक सक्सना ने गतिविधियों को रखा। आकोला की सुशीला बुनकर, बेगूं की रानी जैन, भैंसरोड्गढ़ की गायत्री वैष्णव, ओछडी की बदाम गाडीलौहार, बस्सी की तस्लीमा बानू, भोपालसागर से राधेश्याम पाराशर, भादसोड़ा के श्यामलाल टेलर, मेवदा के जमनालाल कंजर ने अनुभव साझा किए। कट्स के धर्मद्र तुर्वेदी, आराधना ग

न गिरी ने भी

हर महिला को वित्तीय साक्षर बनकर बैंकिग योजनाओं का लाभ लेना जरूरी

» वित्तीय साक्षरता पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

चित्तौड गढ (बढ ता राजस्थान)। महिलाएं सरकारी एवं गैर सरकारी वित्तीय संस्थाओं की योजनाओं से जुड़कर आत्मनिर्भर बने, आज के युग में बैंकिंग एक बुनियादी सेवा के रूप में विकसीत हो रही है। हर महिला को वित्तीय साक्षर होना जरूरी है उक्त विचार जिला रसद अधिकारी कुमारी बिजल सुराणा ने कट्स मानव विकास केन्द्र द्वारा शुक्रवार को किसान भवन के सभागार में आयोजि वित्तीय उपभोक्ता संरक्षण परियोजना के अर्न्तगत जिला स्तरीय हितधारक एवं वित्तीय परामर्ष कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किरो।करम के महाराक निटेषक



जो अन्य महिलाओं के लिए गौहर महमूद ने बताया कि भारत प्रेरणादायी रहा। सरकार के उपभोक्ता मामले खाद्य मुख्य वक्ता के रूप में अग्रणी एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

जिला प्रबन्धक एस.के. मेन्दीरत्ता के सहयोग से संचालित वित्तीय ने बताया कि परिवार के प्रत्येक उपभोक्ता संरक्षण परियोजना के सदस्य को प्रधानमंत्री जीवन तहत जिला स्तरीय कार्यशाला का ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री आयोजन किया गया जिसमें सुरक्षा बीमा योजना तथा अटल महिलाओं ने वित्तीय साक्षरता पेंधन योजना से जुडना चाहिए कार्यक्रम से लाभान्वित होकर

कार्यऋम से जुड कर बचत करने की आदत विकसित करने पर जोर दिया ।बीआरकेजी बैंक के एफ्एलसी कोर्डिनेटर अरवीन्द प्रोहित ने बैंकों की योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि बेंकों द्वारा कई तरह की योजनाएं संचालित है, लेकिन जानकारी के अभाव में और समय पर लोग

एटीएम कार्डधारी की दुर्घटनावंश मृत्यु हो जाती है और 45 दिन के भीतर उसने एक बार कार्ड का उपयोग किया हो तो सरकार उसे 2 लाख तक का मुआवजा देती इस तरह अटल पेंधन योजना 60 वर्ष की उम्र के पश्चात में 1000 से 5000 तक की पेंधन परिवार का कोई भी सदस्य जो 18 वर्ष से अधिक का हो, पायदा ले सकता है। इस अवसर भारत सरकार के उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय दिल्ली के प्रतिनिधि श्री सचिन कुमार ने महिलओं को षिक्षित और जागरूक होकर डिजिटल सेवाओं से जुडकर लाभ लें और सामाजिक कुरूरितीयों को खत्म करनें के लिए एकजुट होकर आगे आने के लिए प्रेरित किया। कार्यषाला में चित्तौडगढ जिले की 11 पंचायत समितियों से 122

3